...ya Rai, Asst. Prof. Political Science, Maharaja College

BA-1, Paper-2, Unit-6

बुधवार Wednesday 10 ~~1996~~

संघात्मक तथा एकात्मक सरकारों में अन्तर

(1) एकात्मक शासन व्यवस्था में केवल एक केन्द्रीय सरकार होती है और संपूर्ण शासन-शक्ति उसी में केन्द्रित रहती है। विभिन्न इकाइयों का आस्तित्व केन्द्र की इच्छा पर होता है।

गुरूवार Thursday 11

संघात्मक शासन व्यवस्था में शासन शक्ति केन्द्रीय तथा विभिन्न प्रान्तीय सरकारों में बँटी रहती है। दोनों का अलग-2 आस्तित्व रहता है।

(2) एकात्मक शासन का संविधान प्रायः अलिखित, विकासित तथा लचीला होता है। संघात्मक शासन

अप्रैल/April

8 सोमवार Monday

अच्छी व्यवस्था है क्योंकि इसमें जनता अपनी स्वेच्छा से किसी भी एक दल को अपना मतदान दे सकती है। लेकिन इस पद्धति का सबसे बड़ा दोष यह है कि शासन पर बहुमत दल का एकाधिकार हो जाता है तथा मंत्रिमण्डल पर उस दल विशेष की तानाशाही स्थापित हो जाती है और संसद की स्थिति कमजोर पड़ जाती है।

9 मंगलवार Tuesday

बहुदलीय पद्धति का जहाँ तक प्रश्न है इसका सबसे बड़ा दोष यह है कि इसके अन्तर्गत बनायी गई संयुक्त सरकार अत्यन्त कमजोर तथा अस्थायी रहती है।

सोमवार Monday 15 में संविधान तथा न्यायपालिका सर्वोच्च होती है।

(6) एकात्मक शासन में एक ही कानून होता है। संघात्मक शासन में दोहरा कानून होता है।

(7) एकात्मक शासन आर्थिक दक्ष तथा कम खर्चीला होता है।

मंगलवार Tuesday 16 संघात्मक शासन में आर्थिक वर्ग्य तथा अकुशलता पाई जाती है।

(8.) एकात्मक शासन में संवैधानिक परिवर्तन के लिये विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं पड़ती। केन्द्रीय विधानमण्डल, कानून बनाने के साधारण तरीके से संविधान में परिवर्तन या संशोधन कर सकता है।

संघात्मक शासन में
संवैधानिक परिवर्तन के लिये 17 बुधवार Wednesday
विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता होती
है; क्योंकि संघ-निर्माण के समय
विभिन्न राज्य तथा इकाइयाँ पारस्परिक
समझौते द्वारा कुछ अधिकार संघ को
दे देते हैं और कुछ अपने पास
रख लेते हैं। यह बँटवारा चूँकि
संविधान के आधार पर होता है,
अतः इसे आसानी से बदला 18 गुरुवार Thursday
नहीं जा सकता।

(9) एकात्मक सरकार में स्वतंत्र
और महत्वपूर्ण सर्वोच्च न्यायालय का
रहना आवश्यक नहीं। संघात्मक शासन
में स्वतन्त्र तथा निष्पक्ष सर्वोच्च
न्यायालय का होना परम आवश्यक
है।

का संविधान लिखित, निश्चित 12 शुक्रवार Friday
तथा कठोर होता है।

(3) एकात्मक शासन में एक शासन तंत्र तथा एकहरी नागरिकता होती है। संघात्मक शासन तंत्र दोहरा होता है जिसमें दोहरी नागरिकता, दोहरी कार्यपालिका तथा दो न्यायपालिकाओं की व्यवस्था होती है।

(4) एकात्मक शासन के 13 शनिवार Saturday
कानूनों, न्याय-विधानों और प्रशासनिक विधानों में एकरूपता रहती है। संघात्मक शासन के कानूनों, न्यायविधानों तथा प्रशासनिक विधानों में विभिन्नता रहती है। 14 रविवार\Sunday

(5) एकात्मक शासन में व्यवस्थापिका सर्वोच्च होती है। संघात्मक शासन

अप्रैल/April

शुक्रवार Friday 19

(10) केन्द्रीयकरण स्कात्मक शासन की विशेषता है। विकेन्द्रीयकरण संघात्मक शासन की विशेषता है।

(11) स्कात्मक सरकार में अधिकारों का विभाजन नहीं रहता। संघात्मक शासन में अधिकारों का विभाजन रहता है।

शनिवार Saturday 20

रविवार\Sunday 21